Toppersnotes®
Unleash the topper in you

राजस्थान

पुलिस कांस्टेबल

भाग – 2

सामान्य अध्ययन एवं विज्ञान

SIERRA INNOVATIONS

RAJASTHAN POLICE CONSTABLE

CONTENTS

	भारत का भूगोल	
1.	भारत का विस्तार	1
2.	भारत के भौगोलिक भू–भाग	4
3.	भारत का अपवाह तंत्र	10
4.	जैव विविधता	16
5.	भारत की मिट्‌टी मृदा	22
6.	जलवायु	23
7.	भारत में खनिजों का वितरण	24
8.	भारत के प्रमुख उद्योग	27
9.	परिवहन	
10.	कृषि	30
11.	भारत में निवास करने वाली जनजातियाँ	32
12.	भौतिक भूगोल	
	भारत का इतिहास	
1.	प्राचीन इतिहास	35
	• सिन्धु घाटी सभ्यता	36
	• वैदिक काल	39
	• बौद्ध धर्म	42
	• जैन धर्म	44
	• महाजनपद काल	45
	• मौर्य वंश	46
	• गुप्त वंश	49

2.	मध्यकालीन भारत	53
	• भारत पर आक्रमण	53
	• सल्तनत काल	54
	• मुगलकाल	60
	• भक्ति एवं सूफी आन्दोलन	66
	• मराठा उद्‌भव	67
3.	आधुनिक भारत का इतिहास	69
	• भारत में यूरोपियन शक्तियों का आगमन	69
	• मराठा शक्ति का उत्कर्ष	72
	• अंग्रेजो की भू–राजस्व पद्धतियाँ	74
	• गवर्नर व वायसराय	76
	• 1857 की क्रान्ति	81
	• प्रमुख आन्दोलन	82
	• कांग्रेस अधिवेशन	86
	• भारतीय क्रांतिकारी संगठन	97
4.	भारतीय संविधान	99
	• भारतीय संविधान के विकास का संक्षिप्त इतिहास	
	• संविधान के भाग	99
	• राष्ट्रपति की शक्तियाँ एवं कार्य	121
	• लोकसभा	133
	• न्यायपालिका	148
	• संविधान संशोधन	157

अर्थव्यवस्था

1. अर्थव्यवस्था एवं इसके क्षेत्र
2. राष्ट्रीय आय
3. मुद्रास्फीति
4. बैंकिंग
5. राजकोषीय नीति एवं बजट
6. बेरोजगारी एवं गरीब
7. पंचवर्षीय योजनाएँ

विविध

1. विविध

भौतिक विज्ञान

1.	भौतिक राशियाँ	170
2.	गति एवं बल	172
3.	गुरूत्त्वाकर्षण	180
4.	कार्य, शक्ति एवं ऊर्जा	184
5.	ध्वनि	193
6.	ऊष्मा	
7.	ऊष्मागतिकी	
8.	विद्युत धारा	198
9.	चुम्बकत्व	
9.	प्रकाश	207
10.	द्रव्य (ठोस, द्रव और गैस)	215
	• प्रत्यास्थता	215
	• संपीड्यता	216

	• पृष्ठ तनाव	216
	• केशिकात्व	218
	• श्यानता	219
	• दाब	220
	• उत्प्लावकता	222
	• आपेक्षिक घनत्व	223
11.	मशीन	
12.	अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी	
13.	परमाणु भौतिकी	
14.	इलेक्ट्रॉनिक्स	

रसायन विज्ञान

1.	द्रव्य	225
2.	पदार्थों की भौतिक अवस्थाओं का अन्तः परिवर्तन	234
3.	परमाणु संरचना एवं आवर्त सारणी	235
4.	रासायनिक बंध	243
5.	रासायनिक अभिक्रिया एवं समीकरण	245
6.	अम्ल, क्षार एवं लवण	
7.	विलयन	
8.	**pH**	
9.	बहुलक	251
10.	कार्बन	
11.	हाइड्रोकार्बन	
12.	मानव जीवन में रसायन	

जीव विज्ञान

1.	जीव जगत (परिचय एवं वर्गीकरण)	259
	• मोनेरा	260
	• प्रोटिस्टा	260
	• कवक	261
	• सूक्ष्म जीव (जीवाणु, विषाणु)	264
	• पादप जगत	268
	• जन्तु जगत	270
2.	कोशिका	274
3.	पाचन तंत्र	280
4.	पोषण	283
5.	रक्त	286
6.	परिसंचरण तंत्र	288
7.	हार्मोन्स (अंतःस्त्रावी तंत्र)	291
8.	तंत्रिका तंत्र	295
9.	कंकाल तंत्र	298
10.	उत्सर्जन तंत्र	300
11.	प्रजनन तंत्र	302
12.	श्वसन तंत्र	304
13.	मानव रोग	307
14.	पादप कार्यिकी	
	• पादपों में पोषण	
	• पादपों में उत्सर्जन	
	• पादपों में श्वसन	
	• प्रकाश संश्लेषण	

- पादप जल संबंध
- पादप हार्मोन

15. आनुवांशिकी 312

16. पर्यावरण, पारिस्थितिकी तंत्र एवं जैव–विविधता 314

❖ दैनिक विज्ञान : महत्वपूर्ण तथ्य

दिए गए QR Code को स्कैन करके टॉपर्सनोट्स अचीवर्स ऐप डाउनलोड करें एवं इस ऐप के माध्यम से किताब में दिये गए QR Codes को स्कैन करके विषय संबंधी अतिरिक्त जानकारी प्राप्त कर सकते है ।

भारतीय भूगोल (Indian Geography)

भारत का विस्तार

- भारत एक विशाल देश है । इसकी विशालता के कारण इसे उपमहाद्वीप की संज्ञा की गई है यह विश्व का अकेला देश है जिसका नाम हिन्द महासागर से जुडा हुआ है ।
- भारत की स्थिति उत्तरी गोलार्द्ध एवं पूर्वी देशांतर के मध्य में स्थित है ।
- भारत की आकृति चतुष्कोणीय है ।
- भारत का अक्षांशीय विस्तार 8°4 से 37°6 उत्तरी गोलार्द्ध में है ।
- अक्षांश कि दृष्टि से भारत देश उत्तरी गोलार्द्ध तथा देशान्तर की दृष्टि से पूर्वी गोलार्द्ध के मध्य में है ।
- देशांतरीय विस्तार 68°7 से 97°25 पूर्वी देशांतर में स्थित है ।
- भारत का विश्व में क्षेत्रफल की दृष्टि से सातवां एवं जनसंख्या की दृष्टि से दूसरा स्थान है।

विश्व में स्थान	देश का नाम	
	क्षेत्रफल के अनुसार	जनसंख्या के अनुसार
प्रथम	रूस	चीन
द्वितीय	कनाडा	भारत
तृतीय	चीन	यू.एस.ए
चतुर्थ	यू. एस. ए.	इंडोनेशिया
पंचम	ब्राजील	ब्राजील
षष्ठ	ऑस्ट्रेलिया	पाकिस्तान
सप्तम	भारत	नाईजीरिया
अष्टम	अर्जेनटीना	बांग्लादेश

भारत के पाँच शीर्ष क्षेत्रफल वाले राज्य

क्र.सं.	राज्य	क्षेत्रफल (वर्ग किमी.)
1.	राजस्थान	3,42,239
2.	मध्यप्रदेश	3,08,245
3.	महाराष्ट्र	3,07,713
4.	उत्तरप्रदेश	2,43,286
5.	आन्ध्रप्रदेश	1,60,205

भारत के शीर्ष क्षेत्रफल वाले 5 जिले

क्र.सं.	जिला	राज्य	क्षेत्रफल (वर्ग किमी.)
1.	कच्छ	गुजरात	45,674
2.	लेह	लद्दाख	45,110
3.	जैसलमेर	राजस्थान	38,401
4.	बिकानेर	राजस्थान	30,247
5.	बाडमेर	राजस्थान	28,387

- भारत का कुल क्षेत्रफल 32,87,263 वर्ग किमी है, जो कि विश्व के कुल क्षेत्रफल का 2.43% है ।
- भारत में विश्व की कुल जनसंख्या का 17.5% हिस्सा निवास करता है ।
- उत्तर से दक्षिण विस्तार 3214 किमी है और पूर्व से पश्चिम में विस्तार 2933 किमी है ।
- भारत का सबसे पूर्वी बिंदु अरुणाचल प्रदेश में वलांगु (किबिथू) है।
- सबसे पश्चिमी बिंदु गुजरात में गोरमाता सक्रिय (कच्छ जिला) में है ।
- सबसे उत्तरी बिन्दु इन्द्रा कॉल है, जो कि केन्द्र शासित प्रदेश लेह में स्थित है ।
- सबसे दक्षिणतम बिन्दु इन्दिरा पॉइंट है, इंदिरा पॉइंट को पहले पिग्मेलियन पॉइंट और पार्सन्स पॉइंट के नाम से जाना जाता था। इन्दिरा पॉइंट ग्रेट निकोबार द्वीप समूह में स्थित है। इसकी भूमध्य रेखा से दूरी 876 किमी है ।
- प्रायद्वीपीय भारत का सबसे दक्षिणी भाग तमिलनाडु में केप कोमोरिन (कन्याकुमारी) में स्थित है।
- भारत की स्थल सीमा की लम्बाई 15200 किमी है
- तटीय भाग की लम्बाई है 7516 किमी (द्वीप समूह मिलाकर) । केवल भारतीय प्रायद्वीप की तटीय सीमा 6100 किमी है ।
- इस प्रकार की कुल सीमा 15200+7516.6 = 22716.6 किमी. लम्बी है ।
- भारतीय मानक समय रेखा 82°30 पूर्वी देशांतर पर है । मानक समय रेखा 5 राज्यों से होकर गुजरती है ।
- देश का मानक समय $82\frac{1}{2}^{0}$ पूर्वी देशान्तर है जो नैनी (इलाहाबाद, उत्तरप्रदेश) से गुजरता है ।
  - ➢ उत्तर प्रदेश (मिर्जापुर)
  - ➢ छत्तीसगढ
  - ➢ मध्य प्रदेश
  - ➢ आंध्र प्रदेश
  - ➢ ओडिशा
- भारतीय मानक समय और ग्रीनविच समय के बीच अंतर 5.30 घण्टे का है । भारतीय समय ग्रीनविच समय से आगे चलता है ।
- सर्वाधिक राज्यों की सीमा को छूने वाला भारतीय राज्य उत्तर प्रदेश है। उत्तर प्रदेश कुल 9 राज्यों से सीमा बनाता है ।
  - ➢ उत्तराखण्ड
  - ➢ हरियाणा
  - ➢ दिल्ली
  - ➢ हिमाचल प्रदेश
  - ➢ राजस्थान
  - ➢ मध्य प्रदेश

- छत्तीसगढ
- झारखण्ड
- बिहार

- भारत के कुल 9 राज्य एवं - केन्द्र शासित प्रदेश समुद्री तट से लगे हुए हैं।
  - गुजरात
  - महाराष्ट्र
  - गोवा
  - कर्नाटक
  - केरल
  - तमिलनाडु
  - आंध्र प्रदेश
  - ओडिशा
  - पश्चिम बंगाल

केन्द्र शासित प्रदेश

- लक्षद्वीप
- अण्डमान निकोबार
- दमन और दीव
- पुदुच्चेरी (पांडिचेरी)

- हिमालय को छूने वाले 9 राज्य व 2 केन्द्र शासित प्रदेश हैं।

राज्य

- हिमाचल प्रदेश
- उत्तराखण्ड
- सिक्किम
- अरुणाचल प्रदेश
- नागालैंड
- मणिपुर
- मिजोरम
- त्रिपुरा
- मेघालय
- असम
- पश्चिम बंगाल

केंद्र शासित प्रदेश

- जम्मू कश्मीर
- लेह

- भारत के 8 राज्यों से होकर कर्क रेखा गुजरती है।
  - गुजरात
  - राजस्थान
  - मध्य प्रदेश
  - छत्तीसगढ
  - झारखण्ड
  - पश्चिम बंगाल
  - त्रिपुरा
  - मिजोरम

- भारत का सर्वाधिक नगरीकृत राज्य गोवा है ।
- भारत का सबसे कम नगरीकृत राज्य हिमाचल प्रदेश है ।
- भारत का मध्य प्रदेश सबसे अधिक वन वाला राज्य है ।
- भारत का हरियाणा सबसे कम वन वाला राज्य है ।
- भारत का मासिनराम (मेघालय) में सबसे अधिक वर्षा होती है ।
- भारत के केन्द्र शासित प्रदेश लेह में सबसे कम वर्षा होती है ।
- अरावली पर्वत सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखला है ।
- हिमालय पर्वत सबसे नवीन पर्वत श्रृंखला है ।

भारत की अंतर्राष्ट्रीय सीमाएं एवं पडोसी देश

- भारत की कुल 15200 किमी सीमा रेखा 92 जिलों और 17 राज्यों से होकर गुजरती है ।
- भारत की तटीय सीमा 7516 किमी है जो कि 9 राज्यों और 4 केन्द्र शासित प्रदेशों को स्पर्श करती है। केवल प्रायद्वीप भारत की तटीय सीमा रेखा 6100 किमी है ।
- भारत के मात्र 5 राज्य ऐसे है जो किसी भी अंतर्राष्ट्रीय सीमा रेखा और तट रेखा को स्पर्श नहीं करते हैं -
  - हरियाणा
  - मध्य प्रदेश
  - झारखण्ड
  - छत्तीसगढ
  - तेलंगाना

- भारतीय राज्यों में गुजरात की तट रेखा सर्वाधिक लंबी है। इसके बाद आंध्र प्रदेश की तट रेखा है ।
- भारत की सबसे छोटी तटरेखा गोवा राज्य की है ।
- त्रिपुरा तीन तरफ से बांग्लादेश से घिरा राज्य है ।
- भारत के 7 पडोसी देश भारत की थल सीमा को स्पर्श करते हैं -
  - पाकिस्तान - 3323 किमी
  - चीन - 3488 किमी
  - नेपाल - 1751 किमी
  - बांग्लादेश - 4096.7 किमी
  - भूटान - 699 किमी
  - म्यांमार - 1643 किमी
  - अफगानिस्तान - 106 किमी (POK)

- भारत की सबसे लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा बांग्लादेश के साथ लगती है ।
- भारत सबसे छोटी अंतर्राष्ट्रीय सीमा रेखा अफगानिस्तान के साथ साझा करता है जो कि केवल 80 किमी है ।
- भारत के 2 पडोसी देश जो भारत की तटीय सीमा के साथ जुडे हुए हैं।
  1. श्रीलंका
  2. मालद्वीप
- ऐसे देश जो थल एवं जल दोनों सीमा बनाते हैं।
  - पाकिस्तान
  - बांग्लादेश
  - म्यांमार
- पाकिस्तान के साथ भारत के 3 राज्य एवं 2 केन्द्र शासित प्रदेश सीमा साझा करते हैं –

राज्य
1. पंजाब
2. राजस्थान
3. गुजरात

केन्द्र शासित प्रदेश
1. जम्मू कश्मीर
2. लेह

- चीन के साथ भारत के 4 राज्य एवं 2 केन्द्र शासित प्रदेश सीमा साझा करते हैं –

राज्य
1. हिमाचल प्रदेश
2. उत्तराखण्ड
3. सिक्किम
4. अरुणाचल प्रदेश

केन्द्र शासित प्रदेश
1. जम्मू कश्मीर
2. लेह

- नेपाल के साथ भारत के 5 राज्य सीमा साझा करते हैं –
  1. उत्तराखण्ड
  2. उत्तर प्रदेश
  3. बिहार
  4. सिक्किम
  5. पश्चिम बंगाल
- भूटान के साथ भारत के 4 राज्य सीमा साझा करते हैं
  1. पश्चिम बंगाल
  2. सिक्किम
  3. अरुणाचल प्रदेश
  4. असम
- म्यांमार के साथ भारत के 4 राज्य सीमा साझा करते हैं –
  1. अरुणाचल प्रदेश
  2. नागालैण्ड
  3. मणिपुर
  4. मिजोरम

अफगानिस्तान के साथ भारत का एक केन्द्र शासित प्रदेश सीमा बनाता है – (केवल 80 किमी POK)
- लद्दाख

- पाक जलडमरूमध्य और मन्नार की खाडी श्रीलंका को भारत से अलग करती है। पाक जलमडरूमध्य को पाक जल संधि के नाम से भी जाना जाता है।
- मेकमोहन रेखा भारत और चीन के बीच में स्थित है । यह रेखा 1914 में शिमला समझौते में निर्धारित की गयी थी ।
- डूरण्ड रेखा 1893 में सर डूरण्ड द्वारा भारत और अफगानिस्तान के बीच में डूरण्ड रेखा स्थापित की गई थी। परन्तु यह रेखा अब अफगानिस्तान एवं पाकिस्तान के मध्य है ।
- भारत और पाकिस्तान के बीच रेडक्लिफ रेखा है। रेडक्लिफ रेखा का निर्धारण 17 अगस्त, 1947 को सर सिरिल रैडक्लिफ की अध्यक्षता में सीमा आयोग द्वारा किया गया था ।

सीमावर्ती सागर :-
- सीमावर्ती सागर क्षेत्र आधार रेखा से 12nm तक स्थित है ।
- क्षेत्र में भारत का एकाधिकार है ।

1. संलग्न सागर :-
- संलग्न सागर क्षेत्र आधार रेखा से 24nm तक स्थित है ।
- इस क्षेत्र में भारत के पास वित्तीय अधिकार है ।

2. अनन्य आर्थिक क्षेत्र :-
- अनन्य आर्थिक क्षेत्र आधार रेखा से 200**nm** तक स्थित है ।
- इस क्षेत्र में भारत के पास आर्थिक अधिकार है तथा यहाँ भारत संसाधनों का दोहन, द्वीप निर्माण तथा अनुसंधान आदि कर सकता है ।

- उच्च सागर यहाँ सभी देशों का समान अधिकार होता है ।

भारत में विदेशी क्षेत्रों का समावेश

15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता के बाद फ्रांस एवं पुर्तगाल के अधीन कई क्षेत्रों का भारत में विलय हुआ है जो निम्न प्रकार से है ।

भारत के भौगोलिक भू-भाग

(**NCERT** के अनुसार 6 प्रकार के है ।)

भारत के भौगोलिक भू-भागः-

1. हिमालयी पर्वतीय क्षेत्र
2. उत्तरी मैदान क्षेत्र
3. प्रायद्वीप पठार क्षेत्र
4. तटीय मैदान क्षेत्र
5. द्वीप समूह क्षेत्र

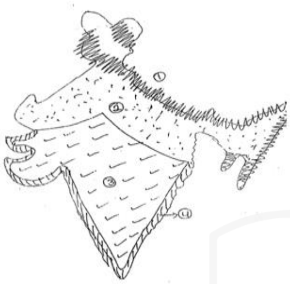

1. हिमालय पर्वतीय प्रदेश

- हिमालय का विस्तार भारत के उत्तर से उत्तर-पश्चिम (सिन्धु) से दक्षिण-पूर्व (ब्रह्मपुत्र) तक की ओर है । पूर्व-पश्चिम दिशा में इसकी लम्बाई 2400 किमी. है । इसकी चौडाई कश्मीर में 400 किमी. तथा अरूणाचल में 150 किमी. है ।
- प्लेट विवर्तनी सिद्धान्त के अनुसार इंडियन एवं यूरेशियन प्लेटों के टकराव से हिमालय का निर्माण हुआ है ।
- इंडियन प्लेट टकराव से हिमालय का निर्माण हुआ है ।
- यह पर्वत तंत्र विश्व का सबसे ऊँचा पर्वत तंत्र है, इसलिए इस तंत्र में बहुत से अल्पाइन हिमनद भी पाये जाते है ।
- इस पर्वतीय प्रदेश को तीन भागों में विभाजित किया जा सकता हैः-

A. ट्रास/तिब्बत हिमालय :-

हिमालय पर्वतीय प्रदेश का सबसे उत्तरी भाग ट्रांस हिमालय कहलाता है ।

- यह मुख्य रूप से 'जम्मू-कश्मीर' व 'तिब्बत' में स्थित है ।
- इस भाग में तीन प्रमुख पर्वत श्रेणियाँ पाई जाती हैः-
  - (i) काराकोरम श्रेणीः-
  - (ii) लद्दाख श्रेणीः-
  - (iii) जास्कर श्रेणीः-

(i) काराकोरम श्रेणी :-

- ट्रांस हिमालय की सबसे उत्तरी श्रेणी काराकोरम में स्थित है ।
- ट्रांस हिमालय की सबसे लम्बी व ऊँची श्रेणी है ।
- ट्रांस हिमालय में पंजाब संकीर्ण से उत्तर में क्रमशः कैलाश जास्कर लद्दाख एवं काराकोरम श्रेणी स्थित है ।
- हिन्ज लाइन या शुचर जोन हाउस एवं वृहत् हिमालय को अलग करती है ।
- स्वेन हैडन ने काराकोरम श्रेणी को उच्च एशिया कि रीढ कहा है ।
- 'माउण्ट गोडविन ऑस्टिन' इस श्रेणी की सबसे ऊँची चोटी है, जो भारत की सबसे ऊँची तथा विश्व की दूसरी सबसे ऊँची चोटी है । (8611 किमी.)

(ii) लद्दाख श्रेणी

- काराकोरम श्रेणी के दक्षिण में स्थित।
- तिब्बत में इस श्रेणी का विस्तार 'कैलाश पर्वत' के नाम से जाना जाता है ।
- राकापोशी (लद्दाख - श्रृंखला का सर्वोच्च शिखर) विश्व कि सबसे बडी ढाल वाली चोटी है ।

(iii) जास्कर श्रेणीः-

- ट्रांस हिमालय की सबसे दक्षिणी श्रेणी ।
- जास्कर तथा लद्दाख श्रेणी के मध्य सिन्धु घाटी स्थित है ।
- वृष्टि छाया क्षेत्र में स्थित होने के कारण इस पठार पर शुष्क परिस्थितियाँ पाई जाती है, इसलिए
  यह एक 'ठण्डे मरूस्थल' का उदाहरण है ।

B. मुख्य हिमालयः-

- यह पर्वतीय प्रदेश का दूसरा प्रमुख भाग है ।
- यह भाग सिन्धु नदी घाटी से ब्रह्मपुत्र नदी घाटी तक स्थित है ।
- यह लगभग 2500 किमी. की दूरी में विस्तृत है ।
- इस श्रेणी में विश्व की सबसे ऊँची चोटी माउण्ट एवरेस्ट (8848 मी.) स्थित है ।
- माउण्ट एवरेस्ट नेपाल-चीन सीमा पर स्थित है ।
- इसे नेपाल में सागरमाथा कहते है (माउण्ट एवरेस्ट को)
- जोजिला दर्रे का निर्माण सिंधु नदी द्वारा शिपकीला का निर्माण सतलज नदी के द्वारा एवं जैलोजा का निर्माण तिस्ता नदी द्वारा हुआ है ।
- बुर्जिल दर्रा श्रीनगर से गिलगिट को एवं शिपकीला दर्रा शिमला को तिब्बत से जोडता है ।
- इस पर्वत पर बहुत से प्रमुख हिमनद स्थित है ।
  e.g.- गंगोत्री, यमुनोत्री, सतोपंथ, पिंडारी, मिलान

C. मध्य हिमालय (Middle Himalaya):-

- इसे हिमाचल हिमालय या लघु हिमालय भी कहते हैं
- यह श्रेणी 2400 किमी. की दूरी में विस्तृत है ।
- इसकी औसत चौडाई 80 से 100 किमी. है ।
- मध्य हिमालय तथा वृहत हिमालय के बीच बहुत सी घाटियाँ स्थित हैः-
  - ➢ कश्मीर घाटी = वृहत हिमालय – पीर पंजाल
  - ➢ कुल्लू घाटी = वृहत हिमालय – धौलाधर
  - ➢ कांगडा घाटी (HP) = वृहत हिमालय – मसूरी
  - ➢ काठमांडू घाटी = वृहत हिमालय – महाभारत
- इस श्रेणी पर ग्रीष्म ऋतु में शीतोष्ण कटिबन्धीय घास के मैदान पाए जाते है जिन्हें जम्मू कश्मीर में 'मर्ग' तथा उत्तराखण्ड मे 'बुग्याल, पयाला' कहा जाता है ।
- इस श्रेणी क्षेत्र में बहुत से पर्यटन स्थल पाए जाते है e.g. कुल्लू, नंदा देवी, मनाली, नैनीताल, मसूरी etc.
- इस श्रेणी में कुछ प्रमुख दर्रे पाए जाते है :-
  1. पीरपंजाल दर्रा :- यह दर्रा श्रीनगर को POK से जोडता है । इसका विस्तार पंजाब के पोतवार बेसिन से कोसी नदी तक है ।

नदी घाटी के आधार पर हिमालय

सीडनी के बुरार्ड नामक भू-वैज्ञानिक ने हिमालय को चार भागों में वर्गीकृत किया है ।

क्र.सं.	हिमालय	नदी का विस्तार	दूरी (किमी.में)	पर्वत श्रेणियाँ
1.	पंजाब हिमालय	सिंधु से सतलज	560	जास्पर, लद्दाख, त्रिशूल, पिरपंजाल
2.	कुमाऊ हिमालय	सतलज से काली	320	बद्रीनाथ, त्रिशूल, नंदा
3.	नेपाल हिमालय	काली से तिस्ता	800	अन्नपूर्णा, धौलागिरी
4.	असम हिमालय	तिस्ता से दिहांग	720	कुलागागडी, जांग, मगना

2. बनिहाल दर्राः- श्रीनगर को जम्मू से जोडता है, NH-1A इस दर्रे से गुजरता है । इस दर्रे में जवाहर सुरंग स्थित है ।

D. शिवालिक/उप हिमालय –

- शिवालिक श्रेणी की ऊँचाई 900–1200 मी. के बीच पाई जाती है ।
- थार के रेगिस्तान में पाए जाने वाली बालू के स्थानान्तरित टीलों को स्थानीय भाषा में धोरा कहा जाता है ।
- इसकी चौडाई 10–50 किमी. है ।
- शिवालिक को विभिन्न स्थानीय नामों से जाना जाता हैः-
  - ➢ जम्मू और कश्मीर - जम्मू हिल्स
  - ➢ उत्तराखंड – दूद्वा/धांग
  - ➢ नेपाल – चुडियाघाट
  - ➢ दाफला
  - ➢ मिरी
  - ➢ अबोर
  - ➢ मरमी
- इन घाटियों को पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में 'दून' तथा पूर्वी हिमालय क्षेत्र में 'द्वार' कहते है ।
  e.g.- देहरादून, कोटलीदून, पाटलीदून, हरिद्वार, निहांगद्वार **etc.**

चोस (Chos):–

- हिमाचल प्रदेश तथा पंजाब में स्थित शिवालिक श्रेणी क्षेत्र में मानसून के दौरान अस्थायी धाराओं का निर्माण होता है, जिन्हें स्थानीय भाषा में चोस कहते हैं ।
- यह धाराएँ शिवालिक को विभिन्न भागों में विभाजित कर देती है ।

E. पूर्वांचल (Purvanchal):-

- उत्तर-पूर्वी राज्यों में उत्तर से दक्षिण की ओर विस्तृत पहाडियों को पूर्वांचल कहते है ।
- पूर्वांचल का निर्माण इण्डो-ऑस्ट्रेलियन तथा बर्मा प्लेट के अभिसरण से हुआ है ॥
- यह बालू पत्थर से निर्मित पहाडियाँ है ।
- दक्षिण-पश्चिम मानसून पवनों द्वारा यहाँ भारी वर्षा प्राप्त होती है अतः यहाँ बहुत अधिक जैव-विविधता पाई जाती है ।
- यह विश्व के 36 Hotspots में सम्मिलित है ।
- नागा पहाडियों की सबसे ऊँची चोटी सरामती है ।
- मिजो पहाडियों को लुसाई पहाडियाँ भी कहते है
- मिजो पहाडियों की सबसे ऊँची चोटी ब्लू माउण्टेन है
- बरेल श्रेणी नागा पहाडियों एवं मणिपुर पहाडियों को अलग करती है ।

हिमालय पर्वतीय प्रदेश का प्रादेशिक विभाजन

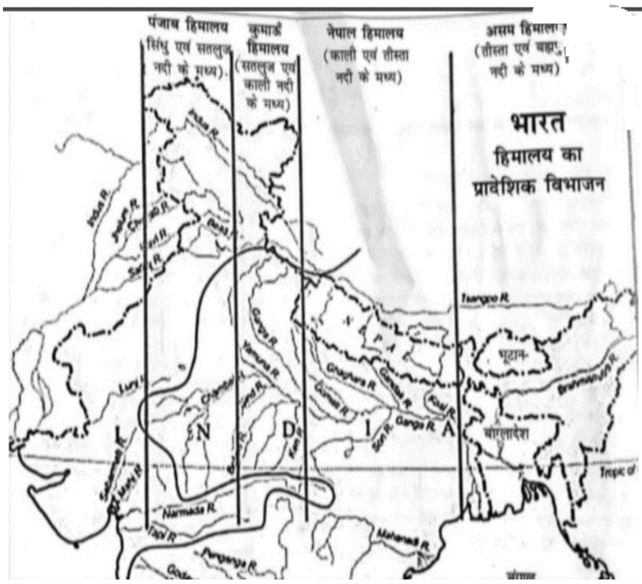

(a). कश्मीर/पंजाब हिमालय
(Kashmir/Punjab Himalaya):-

- कश्मीर/पंजाब हिमालय का यह भाग सिंधु तथा सतलज नदी के बीच स्थित है ।
- यह लगभग 560 किमी. की दूरी में विस्तृत है ।
- इस भाग में जास्कर, पीरपंजाल श्रेणी एवं जम्मू पहाडियाँ स्थित है ।

(b). कुमाऊँ हिमालय **(Kumao Himalaya):-**

- हिमालय का यह भाग सतलज से काली नदी के बीच स्थित है ।
- यह 320 किमी. की दूरी में विस्तृत है ।
- यह भाग मुख्य रूप से उत्तराखण्ड में स्थित है ।

(c). नेपाल हिमालय **(Nepal Himalaya):-**

- यह भाग काली तथा तिस्ता नदी के बीच स्थित है ।
- यह भाग 800 किमी. की दूरी में विस्तृत है ।
- सिक्किम व दार्जिलिंग इसी के अंतर्गत है ।

(d). असम हिमालय **(Assam Himalaya):-**

- यह भाग तिस्ता से दिवांग नदी के बीच स्थित है
- यह 750 किमी. की दूरी में विस्तृत है ।
- यहाँ हिमालय की चौडाई सबसे कम हो जाती है जो लगभग 150 किमी. हो जाती है ।

2. भारत के मैदान

नदियों द्वारा लाये गये अवसादों के कारण मैदानों का निर्माण होता है ।

भारत के मैदानों को तीन भागों में बाँटा जा सकता है ।

(i) पूर्वी घाट के मैदान
(ii) पश्चिमी घाट के मैदान
(iii) उत्तर भारत का मैदान

(i) पूर्वी घाट के मैदान

- आकार में ये उत्तर भारत के मैदान से छोटा तथा पश्चिमी घाट के मैदान से बडा है।
- गोदावरी, कृष्णा एवं कावेरी नदी के पास मैदानों की चौडाई अधिक है।
- इसके चौडाई उत्तर से दक्षिण की तरफ बढती है। औसत चौडाई 100 कि.मी. से 130 कि.मी. तक है।
- पश्चिम बंगाल की हुगली नदी से लेकर तमिलनाडु तक फैला हुआ है।
- ओडिसा से आन्ध्र प्रदेश की तरफ का मैदान उत्कल तट कहलाता है।
- आन्ध्र प्रदेश का तट कलिंग तट कहलाता है। इसी तट को उत्तरी सरकार तट के नाम से भी जाना जाता है।
- आन्ध्र प्रदेश से लेकर तमिलनाड तक के मैदान को कोरामण्डल तट कहा जाता है।
- भारत की कई प्रमुख नदियों के डेल्टा इसी मैदान में बनते है। इन नदियों में मुख्य नदियां अग्रलिखित है ।
  - ➢ महानदी
  - ➢ गोदावरी
  - ➢ कृष्णा
  - ➢ कावेरी

(ii) पश्चिमी घाट के मैदान

- दमन से लेकर कन्याकुमारी तक फैला हआ है ।
- पंजाब, हरियाणा के मैदानी भाग में स्थित बाढ के मैदानों को बेटस कहा जाता है ।
- आकार में पूर्वी तथा उत्तर भारत के मैदानों से छोटा है। इसकी औसत चौडाई 50 कि.मी. है।
- गुजरात से गोवा तक के तट को कोंकण तट कहा जाता है। इसमें महाराष्ट्र का पूरा तट आ जाता है।
- गोवा से मंगलौर तक के तट को कन्नड तट कहा जाता है।
- कर्नाटक से केरल तक के तट को मालाबार तट कहा जाता है।

- इसकी चौडाई कम होने के कारण यहां पर ढाल अधिक है। जिस कारण से यहां पर नदियों में तीव्र चाल से चलती है और झरने बनाती है।
- नदियों में गति अधिक होने के कारण नदियां डेल्टा नहीं बना पाती है।
- मछली पालन के लिए आदर्श स्थिति बनती है।

(iii) उत्तरी भारत का विशाल मैदान

- भारत के सभी मैदानों में से ये सबसे विशाल है। इसकी औसत चौडाई 240 कि.मी. से 320 कि.मी. है।
- इस मैदान की समुद्र तल से ऊँचाई कम होने के कारण यहां पर नदियों की गति काफी धीमी हो जाती है। अतः नदियां अपने साथ लाये हुए अवसाद को यहां जमा कर देती है, जो कि इस मैदान की विशालता का प्रमुख कारण है।
- 4 भागों में बाँटा गया है ।

भाबर प्रदेश

- शिवालिक हिमालय से 12 कि.मी. तक के क्षेत्र जिसमें कंकड पत्थर अधिक होते है को भाबर प्रदेश कहा जाता है।
- शिवालिक हिमालय के बाद नदियों की गति कम हो जाती है। इसलिए वो अपने साथ लाये अवसाद को यहां जमा कर देती है।

तराई प्रदेश

- भाबर के नीचे वाले दलदली क्षेत्र को तराई क्षेत्र कहा जाता है ।
- यहां पर जंगल में अजगर, मगरमच्छ आदि के साथ अन्य वन्य जीव भी पाये जाते है, अतः कोई जनजाति नहीं रहती ।
- वर्तमान में तराई की अधिकांश भूमि को कृषि योग्य बना लिया गया है।

बांगर प्रदेश

- नदी के दूर वाला क्षेत्र जो नदी द्वारा लाई गई मिट्टी से निर्मित हुआ है, बांगर प्रदेश कहलाता है।
- ये प्रदेश मैदान के ऊँचाई वाले क्षेत्र होते है।
- इस प्रदेश में बाढ नहीं आती है। जिस कारण यहां की मिट्टी का नवीकरणीय नहीं हो पाता है।
- इस प्रदेश में पुरानी जलोढ मृदा पायी जाती है।
- गंगा-यमुना दोआब के ऊपरी भाग में यह भूड निक्षेपों के रूप में मिलता है ।

खादर प्रदेश

- नदी के पास वाला क्षेत्र जहां पर बाढ आती रहती है, खादर क्षेत्र कहलाता है । लगभग हर वर्ष बाड आने के कारण यहां की मृदा का नवीकरणीय होता रहता है। इसी कारण ये प्रदेश उपजाऊ बना रहता है ।
- इसकी ऊँचाई बांगर प्रदेश से कम होती है।
- इसका निर्माण नई जलोढ मृदा से हुआ है ।

डेल्टा

- डेल्टाई मैदान मुख्यतः किचड तथा दलदली युक्त होता है । इसमें उच्च भूमियाँ चार तथा दलदली भूमियाँ बील कहलाती है ।

3. भारत के पठार

भारत के पठार गोंडवाना लैण्ड के भाग है । इसकी आकृति त्रिभुजाकार है । यह राजस्थान से कन्याकुमारी तक (1700 किमी.) तथा गुजरात से पश्चिम बंगाल (1400 किमी.) तक 16 लाख वर्ग किमी. तक विस्तृत है ।

(i) मालवा का पठार

तीन राज्यों में फैला हुआ है ।
यह मध्यप्रदेश गुजरात, राजस्थान, राज्य में स्थित है । यह ज्वालामुखी की चट्टानों से बना है । इसमें चंबल, बेतवा नदी निकलती है । इसकी सीमाओं का निर्धारण उत्तर में अरावली, दक्षिण में विन्ध्याचल पर्वत एवं पूर्व में बुन्देलखण्ड द्वारा होता है । इस पठार के उत्तर में चम्बल नदी अवनालिका अपरदन करती है ।

- गुजरात
- मध्य प्रदेश
- राजस्थान
- निर्माण ग्रेनाइट से हुआ है।
- काली मिट्टी से ढका हुआ है।
- ऊँचाई 500-610 मी. है ।
- इसे लावा निर्मित पठार भी कहा जाता है।
- इसमें कुछ लावा द्वारा बनी पहाडियां भी है।
- यमुना की सहायक चंबल नदी ने इसके मध्य भाग को प्रभावित किया है।
- पश्चिमी भाग को माही नदी ने प्रभावित किया है। माही नदी अरब सागर में जाकर गिरती है।

- पूर्वी भाग को बेतवा नदी ने प्रभावित किया है।
- मालवा का पठार अरावली पर्वत व विन्ध्याचल पर्वत के बीच में है।

(ii) बुन्देलखण्ड का पठार

- मालवा पठार के उत्तरी भाग को बुन्देलखण्ड एवं उत्तरी-पूर्वी भाग को बघेलखण्ड कहा जाता है । बुन्देलखण्ड पठार ग्रेनाइट एवं नीस की चट्टानों से निर्मित है ।
- उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बीच में फैला हुआ है ।
- इसके निर्माण में नीस और ग्रेनाइट से हुआ है।
- इसका ढाल दक्षिण से उत्तर और उत्तर पूर्व की तरफ है ।
- यहां कम गुणवत्ता का लौह अयस्क प्राप्त होता है ।

(iii) छोटा नागपुर का पठार

- इस पठार की प्रमुख नदियाँ- महानदी, स्वर्ण रेखा, सोन, दामोदर है ।
- इस पठार में मुख्य खनिज - लोहा, मोजका, अभ्रक, तांबा, यूरेनियम एवं टंगस्टन आदि है ।
- छोटा नागपुर के पठार का महाराष्ट्र के नागपुर जिले से कोई सम्बन्ध नहीं है । इसका नाम पुराने राजा के नाम पर पडा है।
- ये पठार झारखंड में फैला हुआ है।
- इसका क्षेत्रफल 65000 वर्ग किमी. है ।
- रांची का पठार, हजारी बाग का पठार, कोडरमा का पठार सब इसी के अंदर आते है।
- इस पठार की औसत ऊँचाई 700 मी है।
- भारत का रूर भी कहा जाता है ।

(iv) शिलांग का पठार

- यह पठार भारत का बहिर्शायी है । यह भ्रंशन के कारण भारतीय प्रायद्वीप से माल्दा गैप द्वारा पृथक कि गई है ।
- शिलांग शिखर की ऊँचाई 1961 मी. है ।
- गेरा, खासी और जयन्ती पहाड़ियां इसी के अंदर आती है।
- इस पठार में कोयला और लौह अयस्क, और चूना पत्थर के भंडार उपलब्ध है।

(v) दक्कन का पठार

- पूर्वी तथा पश्चिमी घाटों, सतपुडा, मैकाले तथा राजमहल कि पहाडियों के बीच 7 लाख वर्ग किमी. क्षेत्र में विस्तृत है ।
- भारत का विशालतम पठार है।
- दक्षिण के आठ राज्यों में फैला हुआ है।
- इस पठार का आकार त्रिभुजाकार है। सतपुडा और विंध्याचल श्रृंखला इसकी उत्तरी सीमा है तथा पूर्व और पश्चिम में पूर्वी तथा पश्चिमी घाट स्थित है।
- इसकी औसत ऊँचाई 600 मी. है।
- इस पठार को पुनः तीन भागों में बाँटा जाता है-
  - ➢ महाराष्ट्र का पठार- इसमें काली मृदा की आर्कियन पायी जाती है।
  - ➢ आंध्रप्रदेश का पठार- इसे पुनः दो भागों में विभक्त किया गया है।
  - ➢ तेलंगाना का पठार- इस पठार के लावा द्वारा निर्मित होने के कारण इसे लावा पठार के नाम से भी जाना जाता है।
  - ➢ रायलसीमा का पठार- इसमें आर्कियन चट्टानों की अधिकता पायी जाती है।
  - ➢ कर्नाटक का पठार- इसमें धात्विक खनिज तथा आर्कियन चट्टानों की अधिकता पायी जाती है।

1. द्वीपीय समूह प्रदेश

- भारत के दक्षिण तट के नजदीक अण्डमान-निकोबार तथा लक्षद्वीप द्वीप समूह पाये जाते है, जो कि मिलकर द्वीपीय समूह प्रदेश का निर्माण करते है ।
- भारत के पास कुल 1208 द्वीप समूह है। ये संख्या सभी छोटे-छोटे द्वीपों को मिलाकर है।
- अंडमान निकोबार द्वीप समूह सबसे बडा द्वीप समूह है।
- लक्षद्वीप सबसे छोटा द्वीप समूह है।

(a). अण्डमान-निकोबार द्वीप समूह :-

अण्डमान

- बंगाल की खाडी में स्थित 572 द्वीपों का समूह ।
- इन द्वीपों को अराकन योमा पर्वत श्रेणी का विस्तार ही माना जाता है ।

निकोबार

- 10° चैनल अण्डमान को निकोबार द्वीप समूह से अलग करता है ।
- 'मध्य अण्डमान द्वीप' अण्डमान-निकोबार का सबसे बडा द्वीप है ।
- अण्डमान-निकोबार की राजधानी 'पोर्टब्लेयर' दक्षिण अण्डमान द्वीप में स्थित है ।
- अण्डमान-निकोबार की सबसे ऊँची चोटी 'सैडल चोटी' उत्तरी अण्डमान द्वीप पर स्थित है ।
- 'डंकन पेसैज' दक्षिण अण्डमान को लघु अण्डमान से अलग करता है ।
- 'बेरन द्वीप' जो कि भारत का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी द्वीप है । जो अंडमान में स्थित है ।
- 'नारकोण्डम द्वीप' जो कि भारत का एकमात्र सुषुप्त ज्वालामुखी द्वीप है ।

- 'ग्रेट निकोबार' निकोबार द्वीप समूह का सबसे बड़ा द्वीप है तथा 'इन्दिरा प्वाइंट' इसी द्वीप का दक्षिणतम बिन्दु है ।

निकोबार द्वीप समूह

लिटिल अंडमान के नीचे ''10° चैनल'' पड़ता है और उसके बाद निकोबार द्वीप समूह शुरू हो जाता है

- निकोबार द्वीप समूह तीन भागो में बटा है।
  - कार निकोबार
  - लिटिल निकोबार (बीच में)
  - ग्रेटनिकोबार
- निकोबार द्वीप समूह का सबसे दक्षिणी बिन्दू जो कि भारत का भी दक्षिणी बिन्दू है ग्रेट निकोबार पर पड़ता है । इसे ''इन्द्रा प्वाइंट'' ''पिग मेलियन प्वाइंट'' के नाम से जाना जाता है ।

(b). लक्षद्वीप

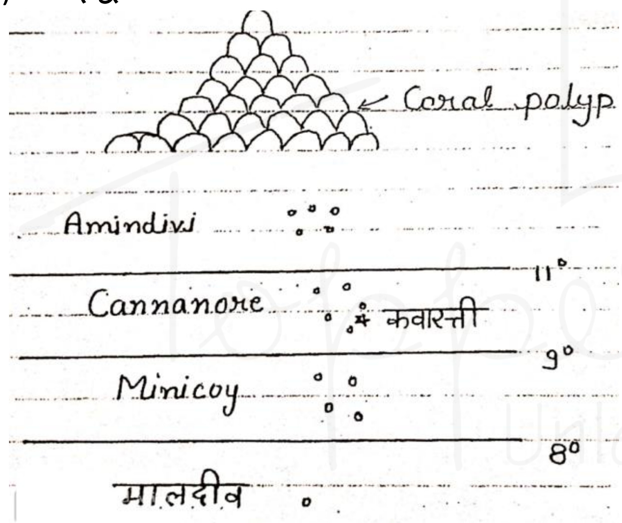

भारत के अपतटीय द्वीप

भारत में लगभग 1382 अपतटीय द्वीप है ।

(1) पश्चिमी द्वीप – (i) पीरम, भैंसला – काठीयावाड
(ii) खड़िया बैट, नर्मदा, ताप्ती के मुहाने पर
(iii) एलीफैण्टा, बुचर-महानदी के मुहाने पर

- 'अरब सागर' में स्थित 36 द्वीपों का समूह ।
- यह कोरल द्वीपों का उदाहरण है ।
- लक्षद्वीप को तीन भागों में विभाजित किया जा सकता है-
- 11°N अक्षांश के उत्तर में स्थित द्वीप 'अमीनदीवी द्वीप' कहलाते है ।
- 11°N तथा 9°N अक्षांश के मध्य स्थित द्वीप 'कोनोनोर द्वीप' कहलाते है ।
- 9°N अक्षांश के दक्षिण में 'मिनिकोय द्वीप' स्थित है
- 8°N चैनल भारत को मालदीव से अलग करता है ।
- लक्षद्वीप समूह अरब सागर में है ।
- लक्षद्वीप एक केन्द्र शासित प्रदेश है। सबसे छोटा केन्द्र शासित प्रदेश है। क्षेत्रफल मात्र 32 वर्ग किमी है ।
- लक्षद्वीप की राजधानी कवरत्ती है ।
- लक्षद्वीप द्वीपसमूह का सबसे दक्षिणी द्वीप मिनिकाय द्वीप है। इसका क्षेत्रफल 4.83 वर्ग किमी है ।
- लक्षद्वीप समूह का सबसे बड़ा द्वीप अन्ड्रोट द्वीप सबसे बड़ा द्वीप है। जिसका क्षेत्रफल 4.98 वर्ग किमी है ।

अन्य महत्वपूर्ण द्वीप

- न्यू मूर द्वीप एवं गंगा सागर द्वीप बंगाल की खाडी में हुगली नदी के तट के पास है ।
- ओडिशा के तट पर व्हीलर द्वीप या अब्दुल कलाम द्वीप है जो कि ब्राह्मणी नदी के मुहाने पर बनता है। यहां मिसाइलों का परीक्षण किया जाता है ।
- आंध्र प्रदेश के तट पर श्रीहरिकोटा द्वीप है। यहां पर सतीश धवन स्पेस रिसर्च सेंटर स्थित है। सतीश धवन 2002 में इसरो के अध्यक्ष रहे थे ।
- पम्बन द्वीप रामेश्वरम द्वीप तमिलनाडु के तट पर है। रामेश्वरम मंदिर यही पर है ।
- पम्बन द्वीप के सबसे दक्षिणी भाग को धनुषकोडी कहा जाता है। इसके बाद राम सेतु शुरू हो जाता है
- श्रीलंका एवं भारत के बीच में मन्नार की खाडी है ।
- गुजरात में नर्मदा नदी के मुहाने पर खंभात की खाडी में आलिया बेट द्वीप है। एलीफेंटा की गुफाएं इसी द्वीप में स्थित है ।

भारत का अपवाह तंत्र
(Drainage System of India)

- जिस मार्ग से बहते हुए नदी आगे बढ़ती है, वह नदी का 'अपवाह (Drainage Channel)' कहलाता है
- बहुत-सी नदियों के मिलने से किसी क्षेत्र में एक 'अपवाह तंत्र' का निर्माण होता है।
- वह क्षेत्र जहाँ से वर्षा अथवा हिमनदों से मिलने वाला जल किसी नदी विशेष तक पहुँचता है, वह क्षेत्र उस नदी का बेसिन (Basin) कहलाता है।
- भारत के अपवाह तंत्र को नदियों के स्रोत के आधार पर दो वर्गो में विभाजित किया जा सकता
  1. हिमालय अपवाह तंत्र
     (Himalaya Drainage System)
  2. प्रायद्वीपीय अपवाह तंत्र
     (Peninsular Drainage System)

हिमालय अपवाह तंत्र
(Himalaya Drainage System)

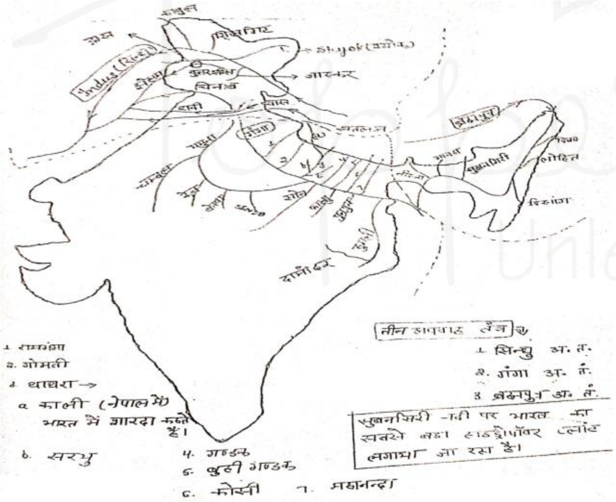

- हिमालय अपवाह तंत्र को मुख्य नदियों के आधार पर तीन भागों में बाँटा जा सकता है-
  1. सिन्धु अपवाह तंत्र
  2. गंगा अपवाह तंत्र
  3. ब्रह्मपुत्र अपवाह तंत्र

1. सिन्धु अपवाह तंत्र

सिंधु नदी का उपनाम इण्डस है, तथा भारत का इंडिया नाम सिंधु नदी के उपनाम इंडस से ही बना है।
सिंधु नदी कि कुल लम्बाई 710 किमी. है।
यह नदी पाकिस्तान कि सबसे बडी नदी है तथा पाकिस्तान कि राष्ट्रीय नदी है।

- भारत के प्रथम वेद ऋग्वेद में सिन्धु नदी का 176 बार सिंधु शब्द का उल्लेख हुआ है। जो एक महत्वपूर्ण बात है।
- यह अपवाह तंत्र मुख्य रूप से जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश व पंजाब राज्य में स्थित है।
- सिन्धु नदी का उदगम तिब्बत में कैलाश पर्वत के हिमनदों से होता है तथा जम्मू-कश्मीर में यह नदी लद्दाख तथा जास्कर श्रेणी के मध्य बहती है।
- काबुल, गिलगिट तथा श्योक इसकी प्रमुख दाँये हाथ की सहायक नदियाँ है तथा जास्कर, दरास तथा पंचनद (सतलज, रावी, झेलम, चेनाब, व्यास) इसकी प्रमुख बाँये हाथ की नदियाँ है।
- 'पंचनद' सिन्धु से पाकिस्तान के मिठानकोट नामक स्थान पर मिलती है तथा सिन्धु कराची के नजदीक डेल्टा बनाने के पश्चात् अरब सागर में जाकर गिरती है
- 'लद्दाख' की राजधानी 'लेह' सिन्धु नदी के किनारे ही स्थित है।

सिन्धु की प्रमुख सहायक नदियाँ

(a). **झेलमः-**
- इस नदी का उदगम जम्मू-कश्मीर में स्थित 'वेरिनाग झील' से होता है।
- वेरिनाग के पास शेषनाग झील निकलती है।
- इसी कुल लंबाई 725 किमी. है तथा इसकी सहायक नदियां किशनगंगा (निलम) कुन्हट, पूंछ, करवेश आदि के निकट स्थित शहर श्रीनगर उर्री, बार्रामुला आदि है।
- उरी बांध बरामुला जिला, जम्मू-कश्मीर राज्य भारत में है। किशनगंगा बांध - जम्मू कश्मीर-भारत
- मगला बांध - मिरपुर - POK
- यह नदी 'वुलर झील' का निर्माण करती है, जो कि भारत की सबसे बडी मीठे पानी की झील है
- 'किशनगंगा' इसकी प्रमुख सहायक नदी है।
- 'श्रीनगर' झेलम नदी के किनारे बसा है।
- यह नदी भारत व पाकिस्तान के मध्य अन्तर्राष्ट्रीय सीमा का निर्माण करती है।
- इस नदी पर 'तुलबुल परियोजना' प्रस्तावित है, जो कि एक नौवहन परियोजना है।

(b). चेनाबः–

- इस नदी का उद्गम हिमाचल प्रदेश में 'बारालाचा दर्रे' के नजदीक से निकलने वाली 'चन्द्र' व 'भागा' नदियों के मिलने से होता है। चन्द्र+भागा = चन्द्रभागा (H.P) चेनाव (J&K)
- प्राचीन भारत में चिनाब को अश्किनी या इस्कमती कहा जाता था। इसकी कुल लंबाई 960 किमी. है। इस नदी कि प्रमुख सहायक नदियां मियार नाला, मारसुन्दर, सोहन, भुटनाजा आदि है।
- इस नदी पर दुलहस्ती, सलाल व बगलीहार परियोजना स्थित है। जो कि जम्मू-कश्मीर में 'जल विद्युत परियोजना' है।

(c). रावीः–

- इस नदी का उद्गम हिमाचल प्रदेश में 'रोहतांग दर्रे' (लेह, मनाली के पास) के नजदीक होता है।
- रावी नदी कि कुल लंबाई 720 किमी. है तथा इसके उपनाम-इरावती, परूषनी, हैंशस्टर या हैंड्राडॉटस है।
- किनारे पर स्थित शहर या नगर - भरमौर, होली, माधोपुर, चम्बा, सरोल आदि है।
- इसकी प्रमुख नदी घाटी परियोजना
  - ➢ हडसर परियोजना
  - ➢ भरमोर परियोजना
  - ➢ हिब्रा परियोजना
  - ➢ होली परियोजना
- हिमाचल प्रदेश में इस नदी पर 'चमेरा बांध' स्थित है
- इस नदी पर वर्तमान में पंजाब राज्य में 'थीन परियोजना (रंजीत सागर बांध परियोजना)' का विकास किया जा रहा है।

(d). व्यास

- इस नदी का उद्गम 'रोहतांग दर्रे' के नजदीक 'व्यास कुण्ड' से होता है।
- इस नदी कि कुल लम्बाइ 470 किमी. है।
- प्रमुख नदी घाटी परियोजना
  (1) पार्वती जल विद्युत परियोजना
  (2) शानद जल विद्युत परियोजना
- इस नदी के किनारे स्थित प्रमुख शहर या नगर कुल्लू, मनाली, बाजौरा, पठानकोट, कपूरथला, होशियारपुर है।
- यह नदी पंजाब में हरिके नामक स्थान पर सतलज से जाकर मिलती है।
- इस नदी पर हिमाचल प्रदेश में 'पोंग बांध' स्थित है, जिससे 'महाराणा प्रताप सागर परियोजना' का निर्माण होता है।

(e). सतलजः–

- इस नदी का उद्गम तिब्बत में राकास ताल/राक्षस झील से होता है तथा यह शिपकिला दर्रे के माध्यम से भारत में प्रवेश करती है।
- यह बारहमासी बहने वाली नदियों में से एक नदी है।
- हिमाचल प्रदेश में इस नदी पर 'नाथपा झाकडी परियोजना' स्थित है।
- पंजाब तथा हिमाचल प्रदेश सीमा क्षेत्र में इस नदी पर 'भांखडा-नांगल परियोजना' स्थित है।
- 'भांखडा बांध' से 'गोविन्द सागर जलाशय (हिमाचल प्रदेश)' का निर्माण होता है।
- हरिके नामक स्थान पर इस नदी से 'इन्दिरा गाँधी नहर' का उद्गम होता है।

2. गंगा अपवाह तंत्र

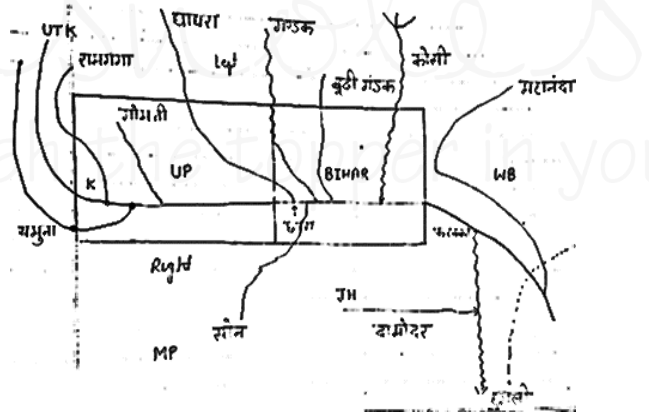

- गंगा नदी तथा उसकी सहायक नदियों का अपवाह तंत्र विभिन्न राज्यों में स्थित है।
  e.g.- उत्तराखण्ड, उत्तरप्रदेश, बिहार, झारखण्ड तथा पश्चिम बंगाल
- गंगा को बांग्लादेश में पद्मा के नाम से जाना जाता है।
- गंगा नदी की कुल लम्बाई 2525 किमी. (लगभग 2500 किमी.) है।
- गंगा नदी उत्तराखण्ड में देवप्रयाग नामक स्थान से निकलती है जहाँ भागीरथी तथा अलकनंदा नदियाँ मिलती है।

- भागीरथी नदी की सहायक नदी भीलांगना इससे टिहरी नामक स्थान पर मिलती है जहाँ भारत का सबसे ऊँचा बांध स्थित है ।
- अलकनंदा नदी पर विभिन्न प्रयाग स्थित है । **e.g.-** विष्णुप्रयाग, कर्णप्रयाग, रूद्रप्रयाग **etc.**

1. गंगा की दांये हाथ की प्रमुख नदियाँः–

(a). यमुनाः–

- गंगा की सबसे लम्बी सहायक नदी ।
- इस नदी का उदगम उत्तराखण्ड में यमुनोत्री हिमनद से होता है तथा यह नदी हरियाणा तथा दिल्ली से बहते हुए उत्तरप्रदेश में इलाहाबाद में गंगा नदी से आकर मिलती है
- आगरा तथा मथुरा इसी नदी के किनारे बसे है ।
- भारत कि राजधानी नई दिल्ली यमुना नदी के किनारे स्थित है ।
- चम्बल, केन, बेतवा, सिन्ध इसकी कुछ प्रमुख सहायक नदियाँ है ।

(b). सोनः–

- इस नदी का उदगम मध्यप्रदेश में अमरकंटक पठार से होता है तथा यह नदी उत्तर दिशा की ओर बहते हुए बिहार में 'सोनपुर' नामक स्थान पर गंगा में आकर मिलती है । (सोनपुर में विश्व का सबसे बडा पशु मेला लगता है ।)
- 'रिहंद' सोन की एक प्रमुख सहायक नदी है
- रिहंद नदी पर उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश सीमा क्षेत्र में 'रिहंद बांध' स्थित है, जिससे 'गोविन्द वल्लभ पंत सागर जलाशय (छत्तीसगढ, मध्यप्रदेश)' का निर्माण होता है ।

2. गंगा की बांये हाथ की प्रमुख नदियाँ

(a). रामगंगा

(b). गोमती

- इस नदी का उदगम कुमायूँ हिमालय (गढवाल) जिले से होता है ।
- लखनऊ तथा जौनपुर शहर इस नदी के किनारे बसे है ।

(c). घाघरा :–

- इस नदी का उदगम 'तिब्बत के पठार' से होता है
- यह नदी नेपाल में 'कर्णाली' नाम से जानी जाती है

  शारदाः– इस नदी का उदगम नेपाल से होता है तथा यह नेपाल में 'काली' के नाम से जानी जाती है । यह नदी उत्तराखण्ड व नेपाल के मध्य अन्तर्राष्ट्रीय सीमा का निर्माण करती है ।

  सरय :– 'अयोध्या' सरयू नदी के किनारे बसा है ।

(d). गण्डक

(e). बुढी गण्डक

(f). कोसीः–

- इस नदी का उदगम 'तिब्बत के पठार' से होता है
- भारत में यह नदी बिहार राज्य में बहती है ।
- गंगा में सर्वाधिक मात्रा में जल लेकर आने वाली नदी
- इसे 'बिहार का शोक' कहते है ।

दामोदर नदी

- यह नदी हुगली नदी की सहायक नदी है ।
- इस नदी का उदगम झारखण्ड में छोटा नागपुर पठार से होता है ।
- इस नदी की घाटी कोयले के भण्डारों के लिए विख्यात है तथा इसे 'भारत की रूर घाटी' भी कहा जाता है ।
- पूर्व में दामोदर नदी हर वर्ष बाढ लेकर आती थी, जिसके कारण इसे 'बंगाल का शोक' कहा जाता था।
- बाढ को नियंत्रित करने के लिए स्वतंत्र भारत की पहली बहु–उद्देशीय नदी घाटी परियोजना का विकास इसी नदी पर किया गया है । इसे 'दामोदर नदी घाटी परियोजना' कहा जाता है । (टेनिसी परियोजना पर आधारित जो मिसीसीपी नदी की सहायक नदी है ।)
- कोनार, मिठोन, बाराकर, तिलैया दामोदर नदी घाटी परियोजना के अन्तर्गत विकसित किए गए कुछ बांध है
- दामोदर एक अत्यधिक प्रदूषित नदी है तथा जैविक दृष्टि से एक मृत नदी है ।

3. ब्रह्मपुत्र अपवाह तंत्र

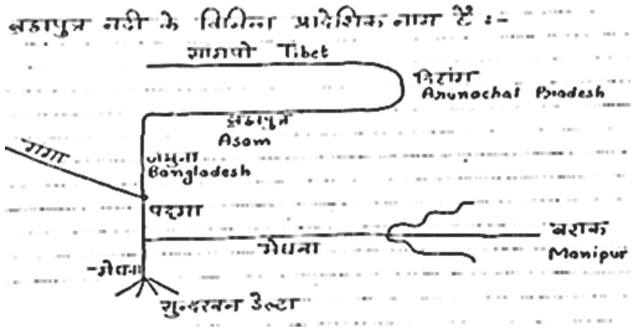

- इस अपवाह तंत्र का निर्माण ब्रह्मपुत्र तथा उसकी सहायक नदियों द्वारा किया गया है ।